जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 37 प्रभात चूरू, रविवार 5 जून, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जोधपुर की 403 वर्ष पुरानी प्रसिद्ध तापी बावड़ी को फिर से संवारा जायेगा। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि, ''हमारी, पूरे देश में जलीय स्रोतों की धरोहरों को संवारने -संजोने की योजना है और इसकी शुरुआत जोधपुर शहर की ऐतिहासिक बावड़ी से की जा रही है।''

403 वर्ष पुरानी तापी बावड़ी को नए सिरे से संवारा जाएगा जोधपुर में

जोधपुर, 4 जून (कासं)। बरसों तक अपने मीठे पानी से लोगों के हलक तर करने वाली जोधपुर शहर की तापी बावड़ी का अब पुनरूद्धार होगा। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के प्रयास से 403 वर्ष पुरानी तापी बावड़ी को अमृत सरोवर योजना के तहत नए सिरे से संवारा जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी के आतिथ्य में तापी बावड़ी के पुनरुद्धार कार्यक्रम का हवन यज्ञ की पूर्णाहूति के साथ शुभारंभ किया गया।

केन्द्र सरकार द्वारा देशभर में जलाशयों, एनिकट का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पुरातन काल के जलाशयों, बावड़ियों का पुरूद्धार किया जा रहा है।

दिल्ली में अति आवश्यक मीटिंग के कारण केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान जोधपुर के ऐतिहासिक जलाशय,कुएं बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसकी शुरुआत आज अपने शहर से की गई है। विश्वराज समूह लखानी परिवार और एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन मुम्बई के सहयोग से तापी बावड़ी का पुनरूद्धार किया जा रहा है।

- **केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए कहा कि, आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जोधपुर के ऐतिहासिक जलाशय, कुएं, बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिसकी शुरूआत आज अपने शहर से की गई है।**
- **तापी बावड़ी का निर्माण 2 नवंबर 1618 को जोधपुर रियासत के दीवान वीर गिरधरजी व्यास के छोटे भाई नाथोजी व्यास ने अपने पिता तापोजी की स्मृति में कराया था। जब बावड़ी का निर्माण हुआ, तब यह छह खंड (करीब 250 फीट) लंबी और छह खंड गहरी थी। इसकी बाहर से चौड़ाई 40 फीट है।**

-403 बरस पुरानी है तापी बावड़ी:-तापी बावड़ी का निर्माण 2 नवबंर 1618 को जोधपुर रियासत के दीवान वीर गिरधरजी व्यास के छोटे भाई नाथोजी व्यास ने अपने पिता तापोजी की स्मृति में कराया था। जब बावड़ी का निर्माण हुआ, तब यह छह खंड (करीब 250 फीट) लंबी और छह खंड गहरी थी। इसकी बाहर से चौड़ाई 40 फीट है। इतिहासकारों के अनुसार यह साठ करीब 360 फीट है। तापी बावड़ी के निर्माण में चार वर्ष का समय और 71 हजार एक रुपया खर्च आया था। जब तापी बावड़ी का निर्माण हुआ था, तब इसे देखने के लिए लोगों में बड़ा उत्साह था।

तापी बावड़ी भव्य और कलात्मक है। इसमें कई बरामदे और दरवाजे हैं। लगभग पांच मंजिला बावड़ी के सुंदर खंभों पर भव्य दरवाजे हैं। बावड़ी में अनेक कलात्मक पोलें बनी हैं। इन पोलों की छतों के अंदर के भाग में बहुत ही कलात्मक कार्य हुआ है। तापी बावड़ी का पानी स्वच्छ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बढ़ते संकट के बीच मुख्यमंत्री ने टाला उदयपुर जाने का कार्यक्रम

कांग्रेस के लिए समस्या बना जी-6 ग्रुप, बाड़ाबंदी से बना रखी है दूरी

जयपुर, 4 जून (का.प्र.)। राज्यसभा चुनाव की मतदान तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे ही कांग्रेस के भीतर दबाव बनता जा रहा है। बसपा से कांग्रेस में विधायक अपनी अपनी मांगों को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जता रहे हैं, वहीं बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस में आए छह विधायकों को व्हिप जारी कर निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट देने के निर्देश दिए। विधायकों की लगातार चल रही नाराजगी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर जाने का शनिवार का कार्यक्रम टाल दिया। उधर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई विधायक उदयपुर पहुंच गए हैं। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी समस्या बसपा से आए पांच विधायक पैदा कर रहे हैं। ये उदयपुर से दूरी बनाए हुए हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर नाराजगी प्रकट कर रहे हैं। इन्हीं के साथ में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने भी मोर्चा खोल रखा है।

इस बीच बसपा के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने 6 विधायकों को व्हिप जारी करते हुए उसमें लिखा है कि आप बहुजन समाज पार्टी के चुनाव चिह्न पर विधानसभा का चुनाव जीते थे, इसलिए पार्टी व्हिप के अनुसार काम करने के लिए बाध्य हैं। राज्यसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के उम्मीदवारों का विरोध करने का फैसला किया है। इसके अनुसार बसपा कांग्रेस और भाजपा की नीतियों का विरोध करती है। अत: पार्टी के विधायक अपना वोट निर्दलीय उम्मीदवार को ही देंगे। व्हिप में चेतावनी देते हुए लिखा है कि सभी छहों विधायक कांग्रेस-बीजेपी उम्मीदवारों को वोट नहीं दें, केवल निर्दलीय विधायक को ही वोट दें। ऐसा नहीं करने पर व्हिप का उल्लंघन माना जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी।

- **दूसरी ओर बसपा ने भी व्हिप जारी कर 6 विधायकों से निर्दलीय को वोट देने के लिए कहा।**
- **डोटासरा पांच अन्य विधायकों के साथ पहुंचे बाड़ाबंदी में।**

हालांकि कानूनी जानकारों के अनुसार बसपा के इस व्हिप का कानूनी औचित्य नहीं है क्योंकि राजस्थान में विधानसभा अध्यक्ष ने बसपा से कांग्रेस में विलय करने वाले सभी विधायकों को कांग्रेस का मानते हुए रिकॉर्ड में लिया है इसलिए तकनीकी रूप से इस व्हिप का कोई मतलब नहीं है, लेकिन क्योंकि इन 6 विधायकों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और सुप्रीम कोर्ट कोई फैसला देता है,तभी इस व्हिप का मतलब माना जाएगा।

दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव के बाद राजस्थान में कोई अवसर नहीं देखकर कांग्रेस विधायकों की राज्यसभा चुनावों से पहले नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। वादे पूरे नहीं होने और अटके हुए कामों के चलते कई विधायक नाराज हैं। पता चला है कि 15 से ज्यादा विधायक नाराज है।

कांग्रेस की प्रमुख समस्या यह है कि राजेन्द्र गुढ़ा के नेतृत्व में बसपा से आए 5 विधायकों सहित अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक खिलाड़ी बैरवा ने नया ग्रुप बना लिया है। ग्रुप में बसपा से कांग्रेस में आए संदीप यादव, लाखन सिंह मीणा, वाजिब अली, कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा व खिलाड़ी लाल बैरवा हैं। इन नेताओं ने कहा- उनके साथ न्याय नहीं हुआ। नाराज विधायकों ने अफसरशाही पर काम अटकाने का आरोप लगाया है। मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा लंबित काम नहीं होने के लेकर कई बार अपनी नाराजगी जता चुके हैं। वाजिब अली भरतपुर जिले में कामां-पहाड़ी क्षेत्र में अवैध खनन और घटिया क्वालिटी की सड़कें बनाने का मामला लगातार उठाते रहे।

सुभाष चन्द्रा की जीत की रणनीति

जयपुर, 4 जून (का.सं.)। राज्यसभा चुनाव की 4 सीटों को लेकर 10 जून को होने वाले मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस अपने अपने विधायकों को लेकर रणनीति बना रही है। वहीं इसके साथ ही निर्दलीय विधायकों को अपने समर्थन में जुटाने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसी को लेकर शनिवार शाम भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में राज्यसभा चुनाव के प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी व दूसरे प्रत्याशी सुभाष चंद्रा के साथ भी चर्चा की गई। निर्दलीय विधायकों पर चर्चा की गई कि ज्यादा से ज्यादा निर्दलीय विधायकों को अपने पक्ष में लाकर राज्यसभा चुनाव के लिए सुभाष चंद्रा को विजयी बनाएं। बैठक में भाजपा के विधायकों के प्रशिक्षण शिविर और रविवार को बुलाई गई विधायक दल की बैठक को लेकर भी चर्चा की गई। बताया

- **भाजपा नेताओं ने इस निर्दलीय, परंतु भाजपा समर्थित उम्मीदवार को जिताने के लिये भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंथन किया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने आसाम के मु.मंत्री हिमन्ता बिस्वा पर भ्रष्टाचार का ''गंभीर'' आरोप लगाया

आरोप है कि, हिमन्ता बिस्वा सरमा के आसाम के स्वास्थ्य मंत्री काल में सरकार ने उनकी पत्नी, पुत्र व सहयोगियों से बढ़े दामों पर पी.पी.ई. किट खरीदे

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। असम की भाजपा सरकार इन आरोपों के बाद विवादों में घिर गई है कि, 2020 में, जब करोना वायरस महामारी अपने चरम पर थी, उस समय मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा के परिवार के सदस्यों ने कथित रूप से पी.पी.ई. किट की सप्लाई में गलत तौर तरीके अपनाए थे। यह आरोप दो मीडिया प्रतिष्ठानों द्वारा संयुक्त जाँच के बाद लगाया गया है। इन प्रतिष्ठानों के नाम हैं- नई दिल्ली स्थित ''द वायर'' तथा गुवाहाटी का ''क्रॉस करैन्ट्स।''

चूँकि, चन्द रोज पहले ही दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन पर ई.डी. ने छापा मारा था, इसलिये आप नेता तथा दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने असम के मुख्यमंत्री पर यह आरोप लगाने का अवसर हाथ से नहीं जाने दिया कि, उन्होंने अपनी पत्नी एवं बेटे के व्यवसाय-पार्टनरों को ऊँची दरों पर पी.पी.ई. किट्स की सप्लाई का ठेका दिलाया। सिसोदिया ने कहा, ''भाजपा भ्रष्टाचार की बात करती है तथा विपक्षी दलों के सदस्यों पर निराधार आरोप लगा रही है। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूँ कि वह असम के मामले को भ्रष्ट आचरण एवं कार्य मानती है अथवा नहीं।''

कांग्रेस, रायजोर दल और असम जातीय परिषद सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों ने इस मामले में ई.डी., सी.बी.आई. और अन्य केन्द्रीय एजेंसियों से एक उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

असम के मुख्यमंत्री ने इस आरोप का खण्डन करते हुए सिसोदिया के विरूद्ध आपराधिक मान हानि का एक मुकदमा दायर करने की धमकी दी है। असम के मुख्यमंत्री ने यह कहते हुए सिसोदिया पर पलटवार किया कि,

- **हिमन्ता बिस्वा सरमा ने सिसोदिया पर मान हानि का दावा करने की धमकी दी और कहा कि, उनकी पत्नी या उनके सहयोगियों ने एक पैसा नहीं लिया राज्य सरकार से, बल्कि उनकी पत्नी ने 1500 पी.पी.ई. किट ''फ्री'' राज्य सरकार को दिये।**
- **सिसोदिया ने जानी-मानी वैबसाइट द वायर व गौहाटी की न्यूज एजेन्सी क्रॉस करन्ट में प्रकाशित खबर को अपने आरोपों का आधार बनाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिन दहाड़े अपहरण

उदयपुर, 4 जून (कासं)। शहर के भूपालपुरा थाना क्षेत्र में स्थित कोर्ट चौराहा के समीप शनिवार को दो कारों में आए बदमाश अलग-अलग कारों में युवक-युवती का अपहरण कर ले गए। अपहरण किस बात को लेकर हुआ व घटना क्या है, इसका पूरी तरह से अभी खुलासा नहीं हो पाया है। इधर, पुलिस अपहर्ताओं की तलाश में जुट गई है।

- **उदयपुर में दो अलग-अलग कारों में एक साथ बातचीत कर रहे युवक-युवती का अपहरण हुआ।**

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिणी सुन्दरवास प्रतापनगर निवासी नवीन कुमार पुत्र गिरधारीलाल सालवी ने भूपालपुरा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 4 जून सवेरे वह गिर्वा तहसील के बाहर अर्जुन मेडिकल स्टोर के सामने दुकान पर चाय पी रहा था। वहां एक लड़का व लड़की भी मौजूद थे। इसी दौरान दो कारें आई जिनमें सवार करीब पांच छह लड़के नीचे उतरे तथा लड़के के साथ मारपीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इकहत्तर प्रतिशत भारतीय नागरिक ''हैल्दी डाइट'' नहीं खा पाते'

सैन्टर फॉर साइन्स एण्ड एन्वायरमैंट द्वारा संग्रहित आंकड़ों की पुस्तिका में यह चौंकाने वाला तथ्य उजागर हुआ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। अस्वास्थ्यकर आहार के कारण प्रतिवर्ष सत्रह लाख से अधिक भारतीयों की मौत होती है। इससे आहार विषयक रिस्क फैक्टर्स बढ़ते हैं। जैसे अनहैल्दी डाइट से वजन में अनावश्यक बढ़ोतरी होती है या अनपेक्षित तरीके से घटता है। स्टेट ऑफ इण्डियाज़ एनवायरमैंट 2022 की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

सैंटर फॉर साइन्स एण्ड एनवायरमैंट एवं डाउन टु अर्थ मैग़ज़ीन द्वारा प्रकाशित स्टेट ऑफ इण्डियाज़ एनवायरमैंट 2022 की रिपोर्ट कहती है कि, इससे होने वाली बीमारियों में श्वसन तंत्र संबंधी, डायबिटीज़, कैंसर, आघात व कॉरोनरी हार्ट डिज़ीज़ मुख्य हैं।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि अस्वास्थ्यकर डाइट का मतलब है, ऐसी डाइट जिसमें फल, सब्जियां और साबुत अनाजों की कमी है। इनमें हाई प्रोसैस्ड मीट, रैड मीट, मीठे पेय पदार्थ भी शामिल हैं। वेट लैवल्स की जो बात है, उसका तात्पर्य इस बात से है कि, व्यक्ति कम वजन वाला, अधिक वजन वाला अथवा मोटा है।

- **पुस्तिका के अनुसार विश्व में जनसंख्या के 42 प्रतिशत लोग, ''हैल्दी डाइट'' नहीं खा पाते, परन्तु भारत में यह आंकड़ा 71 प्रतिशत है।**
- **पुस्तिका में तुलनात्मक उपभोक्ता फूड प्राइस इन्डैक्स भी प्रकाशित किया गया है, जिसके अनुसार फूड प्राइस इन्डैक्स महंगाई 327 प्रतिशत बढ़ी है गत वर्ष में। तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की महंगाई में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, शहरी क्षेत्रों की तुलना में।**
- **अनहैल्दी डाइट से वजन में अनावश्यक बढ़ोतरी होती है या अनपेक्षित तरीके से घटता है, जिससे सांस की बीमारी, डायबिटीज़, कैंसर, लकवा तथा हृदय रोग की संभावना में बढ़ोतरी होती है।**

रिपोर्ट में ध्यान दिलाया गया है कि विश्व की 42 प्रतिशत आबादी हैल्दी डाइट का खर्चा वहन नहीं कर सकती और भारत के लिए यह आंकड़ा काफी बड़ा, 71 प्रतिशत है। इसमें सुझाया गया है कि, एक औसत भारतीय के भोजन में फल, सब्जियां, फलियां, साबुत अनाज और बादाम आदि की पर्याप्त मात्रा नहीं होती।

फूड सिस्टम्स और पद्धतियाँ पर्यावरण पर प्रभाव डालती हैं। रिपोर्ट के अनुसार दूध का उत्पादन जहां भारत के अधिकांश ग्रीन हाउस उत्सर्जनों और भू उपयोग के लिए जिम्मेवार है, वहीं अनाजों के उत्पादन में ताजा पानी, नाइट्रोजन और फ़ॉस्फोरस का सर्वाधिक उपयोग होता है।

रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों की कीमतों का विश्लेषण भी किया गया है। रिपोर्ट कहती है कि कंज़्यूमर फूड प्राइस इण्डैक्स (सी.एफ.पी.आई.) के हिसाब से पिछले वर्ष मंहगाई में 327 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि कंज़्यूमर प्राइस इण्डैक्स (सी.पी.आई.), जिसमें सी.एफ.पी.आई. भी शामिल है, में 84 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

''डाउन टु अर्थ'' मैगज़ीन के मैनेजिंक एडिटर रिचर्ड महापात्रा कहते हैं, ''खाद्य-पदार्थ सी.पी.आई. को ऊँचाई पर ले जाने वाला बहुत बड़ा कारक/परिवाहक प्रतीत होता है। खाद्य-मँहगाई के वर्तमान उच्च स्तर का कारण रहे हैं- उत्पादन की बढ़ती हुई लागत, फसलों के मूल्यों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई वृद्धि तथा मौसम संबंधी अत्यधिक विघ्न-बाधाएं। वस्तुत:, सी.आर.आई.एस.आई.एल. डेटा का विश्लेषण दर्शाता है कि, मार्च-अप्रैल 2022 में, खाद्य-पदार्थों की कीमतें शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा गति से तथा ज्यादा मात्रा में बढ़ी हैं।''

रिपोर्ट आगे कहती है कि, कुछ बेहतरी के बावजूद, आहार और अधिक स्वास्थ्यवर्द्धक नहीं हो रहा है। इसके साथ-साथ, पर्यावरण से की जा रही माँगें बढ़ती जा रही हैं, जबकि कुपोषण के अस्वीकार्य स्तर तो देश में बने ही हुये हैं। हमारे वर्तमान के प्रक्षेप-पथ (ट्रैजेक्ट्री) को जारी रखने की उच्च मानवीय, पर्यावरणीय तथा आर्थिक लागत/कीमत इतनी अधिक है कि हमें इसकी बहुत ऊँची कीमत चुकानी पड़ेगी, कोई भी कार्यवाही न करना हमें बहुत मँहगा पड़ेगा। वैश्विक खाद्य तंत्र,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

82 वर्षीय वृद्धा से दुष्कर्म के प्रयास के बाद हत्या

डूंगरपुर, 4 जून (निसं)। कुंआ थाना क्षेत्र के बावडी गांव में एक युवक ने अपनी पड़ोसी एक 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला से जबरदस्ती की कोशिश की। विरोध करने पर उसने महिला के प्राइवेट पार्ट में हाथ घुसा दिया और वहीं चाकू से कई वार कर फरार हो गया। बाद में वृद्धा ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

- **डूंगरपुर में कुंआ थाना क्षेत्र के बावड़ी गांव में पड़ोसी गांव का एक युवक घर में घुस आया और जब वृद्धा ने विरोध किया तो चाकुओं से गोदकर वृद्धा की हत्या कर दी।**

कुंआ थानाधिकारी ने बताया की बावडी निवासी वसुंधरा पिता राजेन्द्र बामणिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाकर बताया कि उसके दादा-दादी कावुडी बावडी गांव में अलग घर में रहते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)